# SAMPLE QUESTION PAPER - 3
# Hindi A (002)
# Class X (2025-26)

**निर्धारित समय: 3 घंटे** **अधिकतम अंक: 80**

**सामान्य निर्देश:**

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

### खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

हाल में ही ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के न्यूरो साइंस प्रोफेसर फोस्टर के नेतृत्व वाले 3 सदस्यीय दल के स्कूली बच्चों पर किए गए शोध से कई दिलचस्प नतीजे सामने आए, जिसमें उन्होंने पाया कि जो छात्र परीक्षा वाले दिनों में सामान्य से ज्यादा सोए, उनके परिणाम अन्य से बेहतर रहे।

शोधकर्ताओं का कहना है कि किशोरों में सामान्य प्रवृत्ति यह रहती है कि परीक्षा के दौरान वे देर से सोते हैं और देर से ही उठते हैं। सामान्यतः सुबह 10 बजे से पहले वे पूरी तरह से चैतन्य नहीं हो पाते हैं। छात्र पहले दोपहर के बाद पूरी तरह से सजग होते हैं और सबसे कठिन पाठों को इसी समय पढ़ना चाहिए। यह प्रक्रिया छात्रों में 21 साल की उम्र तक कायम रहती है।

जागने की भी एक क्षमता होती है, लेकिन जब सिर पर पढ़ाई का भूत सवार रहता है तो जागते रहने के लिए या तो छात्र बार-बार चाय-कॉफी का सेवन करते हैं या फिर उठ कर टहलते हैं अथवा बार-बार मुँह धोते रहते हैं। इन सबका असर न होने पर वे जागते रहने हेतु नींद न आने की गोली आदि का सेवन भी करते हैं। इससे उनकी नींद भले ही कुछ समय के लिए गायब हो जाए, लेकिन इसका सेहत पर बुरा असर पड़ता है। रात भर जागने वाले परीक्षार्थी जब सुबह परीक्षा देने जाते हैं तो उन्हें झपकी आने लगती है, जिस पर उनका कोई वश नहीं होता है। ऐसे में रातभर जो कुछ उन्होंने पढ़ा वह सब भूल जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मस्तिष्क की कार्यक्षमता घट जाती है। आखिरकार उसे भी तो आराम चाहिए जो नींद से ही मिल सकता है। परीक्षा के दौरान रातभर जागने से परीक्षार्थी के पाचन तन्त्र पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रकृति ने रात सोने के लिए बनायी है और दिन कार्य करने के लिए। अब यदि प्रकृति के नियम के विरुद्ध कार्य करेंगे तो उसका परिणाम तो भुगतना ही पड़ेगा।

**1.** कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

**कथन (A):** परीक्षा के दौरान छात्रों को सामान्य से अधिक सोना चाहिए।

**कारण (R):** अच्छी नींद मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाती है और परिणामों में सुधार करती है।

**विकल्प:**

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

**2.** नीचे दिए गए कथनों में से सही विकल्प का चयन करें:

I. परीक्षा के दौरान रातभर जागने से पाचन तंत्र पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

II. मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नींद आवश्यक है।

III. चाय-कॉफी का सेवन परीक्षा के दौरान नींद भगाने का सबसे अच्छा उपाय है।

IV. सुबह 10 बजे से पहले किशोर पूरी तरह चैतन्य नहीं हो पाते हैं।

**विकल्प:**

i. केवल कथन I और III सही हैं।

ii. कथन I, II और IV सही हैं।

iii. केवल कथन III और IV सही हैं।

iv. कथन II, III और IV सही हैं।

**3.** नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें और सही विकल्प का चयन करें:

| **कॉलम 1** | **कॉलम 2** |
|---|---|
| I. रातभर जागने का परिणाम | 1. मस्तिष्क की कार्यक्षमता में कमी। |
| II. परीक्षा के दौरान नींद की गोली का प्रभाव | 2. स्वास्थ्य पर बुरा असर। |
| III. किशोरों का सजग समय | 3. दोपहर के बाद। |

**विकल्प:**

i. I (1), II (2), III (3)

ii. I (2), II (3), III (1)

iii. I (3), II (1), III (2)

iv. I (1), II (3), III (2)

**4.** न्यूरो साइंस प्रोफेसर के नेतृत्व में किए जाने वाले शोधकार्य के क्या परिणाम निकले, यह कार्य किस पर किया गया था? (2)

**5.** रातभर जागकर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम-स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन संबल।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर
फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर।
सच्चा प्रेम वही है जिसकी-
तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर!
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर।

i. मृत्यु रूपी सरिता में नहाकर जीव में क्या परिवर्तन आ जाता है? **(1)**

(क) सच्चा प्रेम प्राप्त होता है।

(ख) जीव नया शरीर धारण करता है।

(ग) तृप्ति प्राप्त करता है।

(घ) प्राण निछावर हो जाते हैं।

ii. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

**कथन (A):** मृत्यु एक विश्राम स्थल है, जहाँ जीव पुनः नव जीवन प्राप्त करता है।

**कारण (R):** काव्य में मृत्यु को एक सरिता के रूप में दर्शाया गया है, जिसमें जीव अपने श्रम और कष्टों को समाप्त करके नव जीवन प्राप्त करता है।

**विकल्प:**

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

iii. काव्यांश के अनुसार, निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

I. मृत्यु को विश्राम स्थल और नव जीवन का स्रोत बताया गया है।

II. सच्चा प्रेम वह है जो आत्म-बलि पर निर्भर हो और त्याग से प्रेरित हो।

III. प्रेम को निष्प्राण और जीवनहीन रूप में दिखाया गया है।

IV. मृत्यु को एक श्रम से कातर जीव के लिए नूतन जीवन का आरंभ बताया गया है।

**विकल्प:**

(क) कथन I, II और IV सही हैं।

(ख) केवल कथन II और IV सही हैं।

(ग) केवल कथन I और IV सही हैं।

(घ) कथन II, III और IV सही हैं।

iv. मृत्यु को विश्राम-स्थल क्यों कहा गया है? **(2)**

v. कवि ने मृत्यु की तुलना किससे और क्यों की है? **(2)**

## खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए:** **[4]**

i. जैसे ही बत्ती हरी हुई वैसे ही सारे वाहन चल पड़े। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

ii. वे दिल्ली में बीमार रहे और पता नहीं चला। (सरल वाक्य में बदलिए)

iii. वे रिश्ता बनाकर तोड़ते नहीं थे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

iv. शकुंतला ने जो कटु वाक्य दुष्यंत को कहे, वह इस पढ़ाई का ही दुष्परिणाम था। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

v. घर से दूर होने के कारण वे उदास थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए।)

4. निम्नलिखित में से **किन्ही चार** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए : **(1x4=4)** **[4]**

i. छात्रों ने विद्यालय में पौधे लगाए। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

ii. चलो, घूमने चलते हैं। **(भाववाच्य में बदलिए)**

iii. शाहजहाँ द्वारा ताजमहल बनवाया गया। **(कर्तृवाच्य में बदलिए)**

iv. प्राचार्य ने छात्रों को पुरस्कार दिए। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

v. मैं इस धूप में चल नहीं सकता। **(भाववाच्य में बदलिए)**

5. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए: **(1x4=4)** **[4]**

i. सुरभि **विद्यालय से** अभी-अभी आई है।

ii. उसने मेरी बातें **ध्यानपूर्वक** सुनी।

iii. शाबाश ! **तुमने** बहुत अच्छा काम किया।

iv. वहाँ **दस** छात्र बैठे हैं।

v. परिश्रम **के बिना** सफलता नहीं मिलती।

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

i. मैं तो चंद्र खिलौना लैंहों।

ii. सहसबाहु सम रिपु मोरा।

iii. बहुत काली सिल
जरा-से लाल केसर-से कि जैसे धुल गई हो

iv. बीती विभावरी जाग री अम्बर पनघट में डुबो रही तारा घट उषा नागरी।

v. सिर फट गया उसका वहीं
मानो अरुण रंग का घड़ा।

**खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)**

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए। हमें तसलीम में सिर खम कर लेना पड़ा-यह है खानदानी तहजीब, नफासत और नज़ाकत !

हम गौर कर रहे थे, खीरा इस्तेमाल करने के इस तरीके को खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से संतुष्ट होने का सूक्ष्म, नफीस यो एब्स्ट्रैक्ट तरीका ज़रूर कहा जा सकता है, परन्तु क्या ऐसे तरीके से उदर की तृप्ति भी हो सकती है?

नवाब साहब की ओर से भरे पेट के ऊँचे डकार का शब्द सुनाई दिया और नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कह दिया, खीरा लज़ीज होता है, लेकिन होता हैं सकील, नामुराद मेदे पर बोझ डाल देता है।

ज्ञान-चक्षु खुल गए। पहचाना - ये हैं नई कहानी के लेखक!

i. **लज़ीज़** शब्द का क्या अर्थ है?

| | |
|---|---|
| क) सुगंध | ख) स्वाद |
| ग) स्वादिष्ट | घ) तृप्ति |

ii. नवाब साहब के खीरे के इस्तेमाल के तरीके को क्या कहा जा सकता है?

| | |
|---|---|
| क) नफ़ीस | ख) काल्पनिक |
| ग) सूक्ष्म | घ) तृप्ति का साधन |

iii. नवाब साहब का खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट जाना क्या दर्शाता है?

| | |
|---|---|
| क) बेचैनी | ख) भूख |
| ग) नज़ाकत | घ) संतुष्टि |

iv. नवाब साहब किससे संतुष्ट हो गए?

| | |
|---|---|
| क) खीरे से | ख) स्वाद की कल्पना से |
| ग) भूख से | घ) खीरे की कल्पना से |

v. **मेदा** का क्या अर्थ होता है?

| | |
|---|---|
| क) खीरा | ख) पेट |
| ग) मुँह | घ) लज़ीज |

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. हालदार साहब जब भी कस्बे से गुजरते तो चौराहे पर लगी नेता जी की मूर्ति पर चश्मा बदला हुआ देखते। मूर्ति पर चश्मा बदलते रहने का क्या कारण था? **[2]**

ii. एक कहानी यह भी पाठ के आधार पर लेखिका के पिता जी के स्वभाव पर प्रकाश डालिए। **[2]**

iii. गर्मियों की उमसभरी शामें बालगोबिन भगत प्रायः कैसे बिताते थे? **[2]**

iv. सुसंस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है? **संस्कृति** पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

## खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्य जल माहूँ तेल की गागरिं, बूंद न ताका लागी।
प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्दी, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पाग।

i. **गुर घाँटी ज्यौं पागी**' में किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है?

क) ईर्ष्या
ख) सम्मान
ग) दीवानगी
घ) प्रेम

ii. उद्धव के व्यवहार की तुलना किस से की गई है?

क) भौंरे से
ख) विरह की आग से
ग) कृष्ण से
घ) कमल के पत्ते से

iii. **अति बड़भागी** कहकर किस पर व्यंग्य किया गया है?

क) उद्धव
ख) कृष्ण
ग) गोपियों
घ) सूरदास

iv. **परागी** शब्द का क्या अर्थ है?

क) दाग
ख) डुबाना
ग) भाग्यवान
घ) मुग्ध होना

v. **प्रीति-नदी** का तात्पर्य किससे है?

क) योग  की नदी
ख) प्रेम की नदी
ग) विरह की नदी
घ) एक नदी

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **उत्साह** कविता में कवि का कोमल हृदय और क्रांतिकारी रूप दोनों दिखते हैं, यह कैसे कहा जा सकता है? **[2]**

ii. नागार्जुन ने फसल को **हाथों के स्पर्श की गरिमा** और **महिमा** क्यों कहा है? **[2]**

iii. **संगतकार** कविता के संदर्भ में लिखिए कि संगतकार कौन होता है? उसके द्वारा किस प्राचीन परंपरा का निर्वाह किया जाता है? **[2]**

iv. **आत्मकथ्य** काव्य में आत्मकथा सुनाने के लिए कवि वर्तमान समय को उपयुक्त क्यों नहीं समझता है? **[2]**

## खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

i. दुनिया में माँ की गोद से सुरक्षित कोई भी जगह नहीं होती। कैसे? **माता का अँचल** पाठ के आधार पर लिखिए। **[4]**

ii. **मैं क्यों लिखता हूँ** पाठ के लेखक ने लेखन कार्य के पीछे छिपे उद्देश्यों का उल्लेख करना कठिन क्यों कहा है? हम किसी लेखक से इस प्रश्न का उत्तर जान कर क्या सीख सकते हैं? **[4]**

iii. **कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती हैं।** इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है? **(साना-साना हाथ जोड़ि)** **[4]**

## खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

i. **पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

ii. **कसरत और योगाभ्यास : एक जीवन-शैली** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- कसरत और योगाभ्यास क्या है?
- जीवन-शैली में इसे शामिल करने की आवश्यकता
- लाभ

iii. **कोरोना काल के सहयात्री** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- कोरोना महामारी का आरंभ और प्रसार
- गत दो वर्षों में जीवन का स्वरूप
- जीवन-यात्रा में साथ देने वाले व्यक्ति और वस्तुएँ

13. आप जयपुर में रहने वाले चंद्रप्रकाश/चाँदनी हैं और हाल में ही आपने नया घर बनवाया है। उसके लिए बिजली का कनेक्शन लेने के लिए बिजली विभाग के अधिकारी को एक अनुरोध-पत्र लगभग 120 शब्दों में लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके चाचा जी की पदोन्नति हुई है। उन्हें शुभकामना देते हुए बधाई-पत्र लिखिए।

14. भारतीय स्टेट बैंक मुंबई के महाप्रबंधक को लिपिक पद के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपका टेलीफोन लगभग पंद्रह दिनों से खराब है। इसकी शिकायत करते हुए महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक mtnlcsco@gmail.com को ईमेल लिखिए।

15. यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जनहित में जारी एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में यातायात पुलिस की ओर से तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आप मोहिनी/महेन्द्र हैं। आपके बड़े भाई को विदेश जाकर पढ़ाई करने के लिए छात्रवृत्ति मिली है जिसके अंतर्गत वे अमेरिका उच्च अध्ययन के लिए जाने वाले हैं। उन्हें बधाई एवं शुभकामना प्रेषित करता एक संदेश लगभग **60** शब्दों में लिखिए।

# Solution

**खंड क - अपठित बोध**

1. 1. iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   2. ii. कथन I, II और IV सही हैं।
   3. i. I (1), II (2), III (3)
   4. स्कूली बच्चों पर किये जाने वाले शोध कार्य के ये परिणाम निकले कि जो छात्र परीक्षा वाले दिनों में सामान्य से ज्यादा सोए, उनके परिणाम अन्य से बेहतर रहे।
   5. रातभर जागकर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उनके मस्तिष्क की कार्य क्षमता घट जाती है। उनका पाचन तन्त्र भी प्रभावित होता है। साथ ही रातभर जागने के कारण परीक्षा केन्द्र में उन्हें झपकी आने लगती हैं, जिस पर उनका कोई प्रभाव नहीं होता है।
2. i. (ख) मृत्यु रूपी सरिता में नहाकर जीव नया शरीर धारण करता है तथा पुराने शरीर को त्याग देता है।
   ii. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   iii. (क) कथन I, II और IV सही हैं।
   iv. कवि ने मृत्यु को विश्राम-स्थल की संज्ञा दी है। कवि का कहना है कि जिस प्रकार मनुष्य चलते-चलते थक जाता है और विश्राम-स्थल पर रुककर पुनः ऊर्जा प्राप्त करता है, उसी प्रकार मृत्यु के बाद जीव नए जीवन का सहारा लेकर फिर से चलने लगता है।
   v. कवि ने मृत्यु की तुलना सरिता से की है, क्योंकि जिस तरह थका व्यक्ति नदी में स्नान करके अपने गीले वस्त्र त्यागकर सूखे वस्त्र पहनता है, उसी तरह मृत्यु के बाद मानव नया शरीर रूपी वस्त्र धारण करता है।

**खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण**

3. i. बत्ती हरी हुई और सारे वाहन चल पड़े।
   ii. उनके दिल्ली में बीमार रहने का पता नहीं चला।
   iii. जो रिश्ते वे बनाते थे, उन्हें तोड़ते नहीं थे।
   iv. **आश्रित उपवाक्य:** "जो कटु वाक्य दुष्यंत को कहे"
   **उपवाक्य का भेद:** विशेषण उपवाक्य
   v. वे घर से दूर थे इसलिए वे उदास थे। (संयुक्त वाक्य)
4. i. छात्रों के द्वारा विद्यालय में पौधे लगाए गए।
   ii. चलो, घूमने चला जाए।
   iii. शाहजहां ने ताजमहल बनवाया।
   iv. प्राचार्य द्वारा छात्रों को पुरस्कार दिए गए।
   v. मुझसे/मेरे द्वारा इस धुप में नहीं चला जाता/जा सकता।
5. i. विद्यालय से - जातिवाचक संज्ञा,पुल्लिंग, एकवचन, अपादान कारक
   ii. ध्यानपूर्वक - रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'सुन्ने क्रिया की विशेषता
   iii. तुमने - मध्यम पुरुष सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, संप्रदान कारक
   iv. दस - संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन,'छात्र' विशेष्य का विशेषण
   v. के बिना - संबद्धबोधक, अव्यय, ' परिश्र्म' के साथ संबंध
6. i. रूपक अलंकार
   ii. उपमा अलंकार
   iii. उत्प्रेक्षा अलंकार
   iv. मानवीकरण अलंकार
   v. उत्प्रेक्षा अलंकार

**खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)**

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
   नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए। हमें तसलीम में सिर खम कर लेना पड़ा-यह है खानदानी तहजीब, नफासत और नज़ाकत ! हम गौर कर रहे थे, खीरा इस्तेमाल करने के इस तरीके को खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से संतुष्ट होने का सूक्ष्म, नफीस यो एब्स्ट्रैक्ट तरीका ज़रूर कहा जा सकता है, परन्तु क्या ऐसे तरीके से उदर की तृप्ति भी हो सकती है?
   नवाब साहब की ओर से भरे पेट के ऊँचे डकार का शब्द सुनाई दिया और नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कह दिया, खीरा लज़ीज होता है, लेकिन होता हैं सकील, नामुराद मेदे पर बोझ डाल देता है।
   ज्ञान-चक्षु खुल गए। पहचाना - ये हैं नई कहानी के लेखक!

   (i) **(ग)** स्वादिष्ट
   **व्याख्या:**

स्वादिष्ट

(ii) **(क)** नफ़ीस
**व्याख्या:**
नफ़ीस

(iii) **(ग)** नज़ाकत
**व्याख्या:**
नज़ाकत

(iv) **(ख)** स्वाद की कल्पना से
**व्याख्या:**
स्वाद की कल्पना से

(v) **(ख)** पेट
**व्याख्या:**
पेट

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) हालदार साहब जब भी कस्बे से गुजरते थे, तो उन्हें नेताजी की मूर्ति पर हर बार एक अलग चश्मा दिखाई पड़ता था। मूर्ति पर चश्मा बदलते रहने का कारण कैप्टन फेरीवाला था, जो फेरी लगाकर चश्मे बेचा करता था और उन्हीं में से एक चश्मा मूर्ति पर लगा देता था। उसके पास गिने-चने फ्रेम ही उपलब्ध थे और ऐसी स्थिति में अगर मूर्ति पर लगा हुआ फ्रेम किसी ग्राहक को पसंद आ गया, तो वह उस ग्राहक को मूर्ति पर लगा हुआ चश्मा दे देता था। और उसके स्थान पर एक दूसरा चश्मा मूर्ति पर लगा देता था। इसी कारण हर बार हालदार साहब को मूर्ति पर एक अलग चश्मा दिखाई पड़ता था।

(ii) लेखिका के पिताजी के स्वभाव की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- लेखिका के पिता जी अति महत्त्वकांक्षी व्यक्ति थे।
- वे यश और प्रतिष्ठा के भूखे होने के साथ ही धुन के पक्के थे। इसी महत्त्वाकांक्षा के कारण उन्होंने धनाभाव में रहते हुए भी विषय वार शब्दकोश को पूरा कर अपने धनाभाव को कम करने का प्रयास किया |
- अपने यश और प्रतिष्ठा के प्रति वे हमेशा सजग और सशंकित रहते थे।
- उनका स्वभाव क्रोधी और शक्की हो गया था। अपनों के विश्वासघात से उत्पन्न क्रोध की भड़ास को उतारते थे और सबको शंका की दृष्टि से देखते थे।
- अपनी संतान की शिक्षा के प्रति वे सजग थे।
- अपने अर्थ-अभाव के कारण बच्चों वे की शिक्षा में कोई रुकावट नहीं डालना चाहते थे।

(iii) गर्मियों की उमसभरी शाम को वह अपने 'संझा गायन' के माध्यम से शीतल कर देते थे। उनके आँगन में वे आसन जमाकर बैठ जाते और गीत गाने लगते। गाँव वाले भी उनके गीतों की पंक्तियों को दुहराते-तीहराते। बीच-बीच में खड़े होकर खंजड़ी बजाते-बजाते नृत्यशील हो जाते। खंजड़ियों और करतालों से संगीत का मोहक वातावरण बन जाता और सारा वातावरण संगीतमय और नृत्यशील हो जाता।

(iv) सुसंस्कृत व्यक्ति वह है जो अपनी प्रवृत्ति, योग्यता और प्रेरणा के बल पर नवाचार कर सके। इसके साथ ही, वह व्यक्ति जो नि:स्वार्थ त्याग की भावना रखता है और लोककल्याण की दिशा में कार्य करता है, उसे भी सुसंस्कृत माना जाता है। ऐसे व्यक्ति अपनी संस्कृति और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए, नए दृष्टिकोण और विचारों को समाज में लागू करते हैं।

**खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)**

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्य जल माहूँ तेल की गागरिं, बूंद न ताका लागी।
प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्दी, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पाग।

(i) **(ग)** दीवानगी
**व्याख्या:**
दीवानगी

(ii) **(घ)** कमल के पत्ते से
**व्याख्या:**
कमल के पत्ते से

(iii) **(क)** उद्धव
**व्याख्या:**
उद्धव

(iv) **(घ)** मुग्ध होना
**व्याख्या:**
मुग्ध होना

(v) **(ख)** प्रेम की नदी
**व्याख्या:**
प्रेम की नदी

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) 'उत्साह' कविता में कवि के दोनों रूप इस प्रकार हैं-

i. **कवि का कोमल हृदय:** वे बादलों को बालकों के सरल मन और पल-पल में बदलती कल्पनाओं के समान बताते हैं। निराला जी बादलों को एक नए कवि की संज्ञा देते हैं।
ii. **कवि का क्रांतिकारी रूप:** वे उत्साह से बदलाव का आव्हान करते हैं। नव निर्माण की कामना करते हैं। नए विचारों के साथ आगे बढ़ने की बात करते हैं।

(ii) नागार्जुन ने फसल को हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा कहा है क्योंकि तमाम तत्वों के समावेश के बावजूद भी बिना मनुष्य के सहयोग के फसल का होना संभव नहीं है। फसल मनुष्य के परिश्रम के परिणाम स्वरूप ही फलती-फूलती है।

(iii)"संगतकार" कविता के संदर्भ में, संगतकार वह व्यक्ति होता है जो मुख्य गायक का साथ देता है और उसे संगीत प्रदर्शन में समर्थन प्रदान करता है। संगतकार द्वारा मुख्य गायक को अंतरे की जटिल तानों में खो जाने, अनहद में विलीन होने, या तारसप्तक में गला बैठने की स्थिति में सहायता की जाती है। संगतकार इस प्रकार की परंपरा का निर्वाह करता है जो मुख्य गायक के प्रदर्शन को सशक्त बनाती है और संगीत की प्राचीन परंपरा को कायम रखती है। इसके साथ ही, संगतकार गुरु-शिष्य परंपरा को भी निभाता है, जिसमें गुरु के निर्देशन में शिष्य की मदद और मार्गदर्शन करना शामिल है।

(iv)आत्मकथा सुनाने के लिए कवि वर्तमान को इसलिए उपयुक्त नहीं मानता है क्योंकि जीवन में मिली गहरी पीड़ा उसने अकेले ही सहा है। इस पीड़ा की स्मृतियाँ बड़ी कठिनाई से धुँधली पड़ी हैं। आत्मकथा सुनाते समय उसे एक बार पुनः याद करना होगा, जिससे उसका घाव हरा हो जाएगा जो उसके लिए कष्टप्रद होगा।

**खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)**

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) **माता का अँचल** पाठ के अनुसार माँ का आँचल उसके बच्चे के लिए सबसे सुरक्षित स्थान है। माँ की ममता दुनिया में सबसे अलग और विशिष्ट है। बच्चे का अपनी माँ से जुड़ाव एक अलग ही तरीके का होता है। इससे जुड़े कई प्रसंगों की चर्चा लेखक ने इस पाठ में की है। उदाहरण के लिए जब भोलानाथ साँप से भयभीत होता है तब वह अपनी माँ की गोद में ही जाकर छुप जाता है क्योंकि उसके लिए वह सबसे सुरक्षित स्थान है। भोलानाथ का पिता से बहुत गहरा लगाव है लेकिन अपने पिता से गहरे लगाव के बावजूद भी वह माँ के आँचल को छोड़ने को तैयार नहीं होता है।

(ii) **मैं क्यों लिखता हूँ** पाठ के लेखक ने लेखन कार्य के पीछे छिपे उद्देश्यों का उल्लेख करना कठिन इसलिए है क्योंकि इसका उत्तर इतना संक्षिप्त नहीं है कि एक या दो वाक्यों में बाँधकर सरलता से दिया जा सके। इसका कारण यह है कि इस प्रश्न का सच्चा उत्तर लेखक के आंतरिक जीवन के स्तरों से संबंध रखता है। हम किसी लेखक से इस प्रश्न का उत्तर जान कर ये सीख सकते हैं कि कोई लेखक किन कारणों से लिखता है जैसे-

- अपनी भीतरी प्रेरणा और विवशता जानने के लिए लेखक लिखता है।
- किस बात ने लिखने के लिए उसे प्रेरित और विवश किया, यह जानने के लिए।
- मन के दबाव से मुक्त होने के लिए लेखक लिखता है।

(iii)लेखिका ने यह बात उन स्त्रियों को देखकर कही है जो पहाड़ों के भारी-भरकम पत्थरों को तोड़कर रास्ता बनाने का श्रमसाध्य कार्य करने में लगी रहती हैं। उन्हें बहुत कम पैसा मिलता है, पर वे देश-समाज को बहुत अधिक लौटा देती हैं। देश की आम जनता भी देश की प्रगति में भरपूर योगदान करती हैं और उसे उतना नहीं मिल पाता जितने की वह हकदार होती है। देश के श्रमिक एवं किसान देश की प्रगति के लिए अनेक प्रकार के कार्यों के द्वारा अपना सहयोग देते हैं। यदि वे कार्य न करें तो देश प्रगति की राह पर आगे नहीं बढ़ सकता। उसके अलावा अन्य लोगों की भी बहुत बड़ी भूमिका है। देश की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भी अहम भूमिका हैं । वह अपने वेतन व सुख-सुविधाओं की परवाह किए बिना देश की प्रगति के लिए अपना सहयोग देते हैं।देश के किसान भी धूप, सर्दी की परवाह किए बिना सबके लिए अन्न उगा कर सहयोग करते हैं। देश का फौजी व वैज्ञानिक भी कम वेतन पर पूर्ण निष्ठा से सेवा कर प्रगति के नये रास्ते खोलता है।

**खंड घ - रचनात्मक लेखन**

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) वास्तव में समस्त प्राणी जगत् के लिए पराधीनता एक अभिशाप है। पराधीनता का अर्थ है-'दूसरों की अधीनता, मनुष्य पराधीन होकर सपने में भी सुख नहीं प्राप्त कर सकता। पराधीन होकर जीना अर्थात् दूसरों का गुलाम होना, दूसरों की इच्छानुसार जीना, मन मारकर दूसरों के इशारों पर चलना आदि। यह एक भयंकर कष्ट के समान है। पराधीनता में कितनी भी सुख-सुविधाएँ, ऐशो-आराम मिलें, फिर भी व्यक्ति मानसिक शान्ति तथा स्वतन्त्रता का अनुभव कदापि नहीं कर सकता, क्योंकि व्यक्ति स्वभाव से ही स्वतंत्र रहना चाहता है। पराधीनता तो एक अभिशाप है, जिसमें व्यक्ति का सब कुछ अभिशप्त हो जाता है। हमारे प्यारे भारत देश को अंग्रेजों की सैकड़ों वर्षों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों का बलिदान कर दिया था; तभी 15 अगस्त, 1947 को हम सभी ने स्वतंत्रता की पहली साँस ली थी। पराधीनता मनुष्य तो क्या, पशु-पक्षी भी पसन्द नहीं करते। सोने के पिंजरे में बन्द पक्षी भी स्वतंत्र आकाश में उड़ना चाहता है, उड़ने के लिए छटपटाता है। वह कड़वी निबौरी खाना पसन्द करेगा, समुद्र का बहता खारा पानी पी लेगा, पर आजादी से जीना चाहता है, वह भी पंख पसार कर नीलगगन में उड़ान भरना चाहता है। पराधीनता में व्यक्ति अपने मान-सम्मान को सुरक्षित नहीं रख सकता, क्योंकि वह पराधीनता की चक्की में पिसता रहता है तथा

शोषित होता रहता है। निर्धनता तथा अभावों से ग्रस्त जीवन में भी स्वतन्त्र होकर जीने में मनुष्य आनन्द तथा प्रसन्नता का अनुभव करता है। संभवतः इसी कारण गोस्वामी तुलसीदास ने अपने महाकाव्य रामचरितमानस में लिखा है-पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं।

(ii) आधुनिक जीवन की भागदौड़ भरी जिंदगी और अर्थ की प्रधानता के कारण आज का मानव न चाहते हुए भी दबाव एवं तनाव, रोग ग्रस्त, अनिद्रा, निराशा, विफलता, काम, क्रोध तथा अनेकानेक कष्टपूर्ण परिस्थितियों में जीवन निर्वाह करने के लिए बाध्य हो गया है। ऐसे में योग की प्रासंगिकता बढ़ जाती है। योग हमारे समाज में बहुत पुरानी संस्कृति एवं धरोहर है। आज दुनिया भर में योग का अभ्यास किया जा रहा है मूल रूप से योग ना केवल व्यायाम का एक रूप है। बल्कि स्वास्थ्य, खुशहाल और शांतिपूर्ण तरीके से जीने का प्राचीन ज्ञान है। यदि हम नियमित रूप से योग का अभ्यास करेंगे तो शरीर में सकारात्मक बदलाव हो सकेंगे जिससे कुछ ऐसी बीमारियाँ जो आज हमारे जीवन शैली में सामान्य है। उन से भी छुटकारा पाने में योग हमारी मदद करता है। एक सर्वे के मुताबिक विश्व में 2 अरब से भी ज्यादा लोग रोजाना योगाभ्यास कर रहे हैं और स्वस्थ भी हो रहे है योग तो 5000 साल पुराना भारतीय दर्शनशास्त्र है। वैदिक ग्रंथों में योग का विशेष रूप से वर्णन है। शरीर साधना का सर्वश्रेष्ठ साधन है। किसी ने ठीक ही कहा है- 'जान है तो जहाँ है' योग के संदर्भ के एक स्वयं सिद्ध कथन है-

**करें योग, भगाये रोग**

योग एक चमत्कार है और अगर इसे किया जाए तो यह आपके पूरे जीवन का मार्गदर्शन करेगा प्रतिदिन 20 से 1800 सेकंड योग करके आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन प्रदान करके आपके जीवन को हमेशा के लिए बदल सकता है प्रत्येक व्यक्ति को एक समय योगासनों के लिए समर्पित करना चाहिए। सभी आयु के पुरुष, महिलाएँ एवं बच्चे प्रसन्नतापूर्वक कर सकते हैं। केवल एक दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। एक बार योगाभ्यास की अच्छी आदत पड़ जाए, फिर संसार के सभी काम पीछे छूट जाएँगे, लेकिन योगाभ्यास नहीं छूटेगा।

(iii) **कोरोना काल के सहयात्री**

कोरोना वायरस या कोविड-19 संक्रमण ऐसी बीमारी है, जिसे वैश्विक संगठन द्वारा महामारी घोषित किया गया है। नवम्बर, 2019 में यह चीन की लैब से निकला था। धीरे-धीरे यह वायरस इंसान से इंसान में फैलने लगा। देखते ही देखते इस वायरस ने पूरी दुनिया पर कब्ज़ा कर लिया। अंटार्कटिका जैसे क्षेत्र में भी कोरोना की पुष्टि हुई है। जनवरी 2020 में यह वायरस भारत में पाया गया। 21 मार्च 2020 को पूरे देश में जनता कर्फ्यू लगाया गया था। एक साल बाद यानि 2021 में फिर से कोराना वायरस लगातार बढ़ रहा है।

कोरोना वायरस यह एक ऐसा संक्रमण है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलता है। कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति खांसता, छीकता है या साँस छोड़ता है तो उसके नाक या मुँह से निकली छोटी बूंदों से यह रोग दूसरे में फैल सकता है। इसलिए सरकार द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि बातचीत के दौरान कम से कम 3 फीट की दूरी बनाकर रखें। मास्क भी लगाकर रखें और बार-बार हाथ धोएँ।

कोविड-19 से बचाव के लिए भारत, रूस समेत अन्य देशों ने वैक्सीन जारी की है। भारत द्वारा 2 वैक्सीन का निर्माण किया गया है। कोविशील्ड वैक्सीन, कोवैक्सीन, इस वैक्सीन का उत्पादन भारत में सीरम इन्सटीट्यूट द्वारा किया गया है। कोवैक्सीन, इस वैक्सीन का उत्पादन भारत बायोटिक द्वारा किया जा रहा है।

17 मार्च 2021 के ताजा अपडेट के अनुसार पूरी दुनिया में कुल संक्रमित लोगों का आँकड़ा 1,21,370,336 पहुँच गया है। भारत में कोरोना, वायरस का कुल आँकड़ा 1,14,38,734 तक पहुँच गया है। 1,59,079 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। वर्तमान में इस बीमारी से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाए और मास्क लगाया जाए।

13. सेवा में,
विद्युत अधिकारी,
बिजली विभाग,
बरकत नगर, जयपुर
दिनांक: 18 अप्रैल 2022

**विषय - नए घर में बिजली कनेक्शन लेने के सबंधं में।**

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है मैं मानसरोवर कॉलोनी, जयपुर शहर का निवासी हूँ। अभी अप्रैल 2022 में हाल ही में मैंने अपना नया घर बनवाया है। नए घर के लिए मुझे बिजली कनेक्शन की आवश्यकता है। सभी आवश्यक दस्तावेज पत्र के साथ संलग्न हैं।

आपसे अनुरोध है कि आप शीघ्रातिशीघ्र बिजली कनेक्शन देने की कृपा करेंगे। हम आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,
निवेदक
चंद्रप्रकाश
मकान नं. 75/15
मानसरोवर कॉलोनी,
बरकत नगर, जयपुर
पिन कोड - 302015
मोबाइल नं. 998877XXXX

संलग्न सूची:

- आधार कार्ड की फोटोकॉपी
- राशन कार्ड की फोटोकॉपी
- फोटो युक्त पहचान पत्र की फोटोकॉपी

अथवा

पी-276,
हुकुमराव अपार्टमेंट,
वसंत विहार, दिल्ली।
02 मार्च, 2019
आदरणीय चाचा जी,
सादर चरण-स्पर्श।
आपका भेजा हुआ पत्र मिला। आप सपरिवार स्वस्थ एवं कुशल हैं यह जानकर खुशी हुई किंतु घर के सभी लोगों की खुशी उस समय देखने लायक थी जब यह जाना कि आपकी पदोन्नति हो गई है। यह आपकी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का फल है। चाचा जी, आपकी नियुक्ति कनिष्ठ अभियंता पद पर हुई थी, किंतु आपने अपनी सच्चाई, मेहनत और ईमानदारी से कार्य करने की शैली के कारण उच्चाधिकारियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। आपने उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों का इस्तेमाल कर सरकारी भवनों, कार्यालयों, पुलों की आयु-सीमा में वृद्धि की, यह गोपनीय रिपोर्ट से सिद्ध हो गया था। समय से पूर्व ही आपकी अभियंता, वरिष्ठ-अभियंता और अब मुख्य अभियंता पद पर पदोन्नति हुई है। इस पदोन्नति पर मैं परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं कामना करता हूँ कि इस पद को सुशोभित करते हुए आप नई ऊँचाइयाँ छुएँ।
आदरणीय चाची जी को प्रणाम तथा शैली को स्नेह।
आपका भतीजा,
सचिनबंसल

14. प्रति,
महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
नारीमन प्वाइंट मुंबई।
**विषय-** लिपिक पद हेतु आवेदन-पत्र।
मान्यवर,
दिनांक 05 मई, 20xx के महाराष्ट्र टाइम्स में प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ कि आपके कार्यालय में लिपिकों की आवश्यकता है। मैं स्वयं को इस पद के योग्य मानकर आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ, मेरा संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण निम्नलिखित है-
नाम - पूनम शर्मा
पिता का नाम - श्री प्रकाश कुमार
जन्मतिथि - 14 दिसंबर, 1987
पता - ए 4/75, गोकुलपुरी, दिल्ली।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

| | | | |
|---|---|---|---|
| दसवीं कक्षा | सी०बी०एस०ई०, दिल्ली | 2002 | 68% |
| बारहवीं कक्षा | सी०बी०एस०ई०, दिल्ली | 2004 | 75% |
| बी.कॉम. | दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली | 2007 | 66% |
| एम.कॉम | दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली | 2009 | 62% |
| कम्प्यूटर कोर्स | द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (एफटैक कम्प्यूटरलर्निंग सेंटर) | 2011 | |

**अनुभव-** सहारा कोअपरेटिव बैंक में क्लर्क पद पर तीन साल।
आशा है कि आप मेरी योग्यताओं पर सहानुभूति विचारकर सेवा का अवसर प्रदान करेंगे।
सधन्यवाद
भवदीया
सुमन शर्मा
हस्ताक्षर .........
दिनांक 05 मई, 2019
**संलग्न-** शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायांकित प्रति।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: mtnlcsco@gmail.com
CC ...
BCC ...
**विषय -** खराब टेलीफोन के संबंध में
महोदय,
मैं आपका ध्यान अपने टेलीफोन की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। इसका नंबर 011982545XX है। यह फोन पिछले पंद्रह दिनों से खराब पड़ा है। इसकी शिकायत स्थानीय कार्यालय में कर चुका हूँ। वहाँ के अधिकारी एक तो ढंग से बात नहीं करते हैं और न कोई कार्य करते हैं। कभी कोई सुनता भी है

तो आश्वासन देकर टाल देते हैं। अतः आपसे प्रार्थना है कि आप कर्मचारियों को टेलीफोन ठीक करने का आदेश देने की कृपा करें। आपकी इस कृपा के लिए मैं आभारी रहूँगा।
पवन

15.

**यातायात के नियमों का पालन**

यातायात पुलिस की ओर से लोगों को जागरूक किया जाता है कि सड़क पर गाड़ी चलाते समय यातायात के नियमों का पालन करें व दुर्घटनाओं से बचें। यातायात नियमों का पालन करें। लापरवाही से वाहन न चलाएँ, अपना और अपने परिवार का जीवन बचाएँ।

आज्ञा से
यातायात पुलिस
गोविंद सिंह

अथवा

दिनांक: 15 अगस्त 20XX
प्रिय भाई
मुझे पता चला है कि आपको विदेश जाकर पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति मिली है। विदेश जाकर उच्च अध्ययन करने के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। आप आपने जीवन में इसी तरह उन्नति करते रहो। आपका समर्थन, संघर्ष और समर्पण सफलता की राह बनेगा। भगवान आपकी हर मनोकामना पूरी करे और आपको दीर्घ आयु प्रदान करे। आपको नई यात्रा के लिए बहुत सारी शुभकामनाएँ!
आपकी छोटी बहन
मोहिनी